।। अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाष : 01565–224600,224900

ई–मेल : jstsdgh01565@gmail.com

ऐशो–आराम में रहने वाले राजनीतिज्ञों को दी सीख
धरती पर रहने वाला ही प्रजा को सुखी रख सकता है – आचार्य महाप्रज्ञ

–तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)–

श्रीडूँगरगढ़ 19 फरवरी : राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने महामात्य चाणक्य के एक वाक्य मैं प्रजा की सेवा करने के लिए हूं, प्रजा को सुखी देखना चाहता हूं का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के युग में केवल इस तरह की कल्पना ही कर सकते है। वर्तमान मे मंत्री को सबसे पहले कमांडो सुरक्षा चाहिए। फिर बड़े–बड़े भवन चाहिए। उन भवनों में ऐशो आराम के अनेकों साधन चाहिए। जब शासन वर्ग ही सुविधावादी बन जायेगा तो प्रजा को रहने के लिए सिर्फ झौपड़ी ही मिलेगी। सुविधावादी प्रजा के सुख की बात कैसे सौच सकता है। वह यह सोचेगा कि सब करोड़ पति बन जाये, पर इन करोड़पतियों ने कितने ही लोगों को भूखे रहने के लिए मजबूर किया है। चाणक्य जैसा सुमन वाला मंत्री ही धरती पर रहता है और धरती पर रहने वाला ही प्रजा को सुखी रख सकता है।

आचार्य महाप्रज्ञ ने तेरापंथ भवन के प्रज्ञा समवसरण में कल्याण मंदिर स्त्रोत्र पर प्रवचन में वर्तमान राजनीतिज्ञों को प्रजा की ओर ध्यान देने की सीख देते हुए कहा कि जिस तरह से इन्द्र के मुकुट में रहने वाले सुमन प्रभु पार्श्व के चरणों में समर्पित हो जाते है वैसे सुमन वाला व्यक्ति दूसरों के हित को सर्वोपरी रखता है। उन्होने साधु समाज को भी सुविधावाद के प्रति जागरुक करते हुए कहा कि सुविधावादी बनने वाला साधु न खुद का हित कर सकता है और न ही जनता का हित साध सकता है।

स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज कार्यशाला का आयोजन

तेरापंथ महिला मंडल के द्वारा आज स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संभागियों को संबोधित करते हुए युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि मधुर व्यवहार, सौमनस्य एवं पवित्र भावना के साथ रहने से परिवार स्वस्थ बनेंगे और जब परिवार के परिवार स्वस्थ बन जायेंगे तो समाज अपने आप स्वस्थ हो जायेगा। संयुक्त परिवार में सौमनस्य न होने के कारण ही संपति बंटवारे के समय कलह का वातावरण बनता है। महिला मंडल के द्वारा इस ओर अनेक कार्यक्रमों से ध्यान खींचा जा रहा है जो बहुत महत्वपूर्ण है। जब इस विषय पर चर्चा होगी तभी महिलाओं में जागरुकता बढ़ेगी। परिवार को स्वच्छ और स्वस्थ रखना पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा दायित्व महिलाओं का है। महिलाएं दृढ़ संकल्प और मनोबल के द्वारा घर में नशे को प्रवेश न करने दे तो परिवार की स्वस्थता बनी रह सकती है। उन्होने भावी पीढ़ी के कर्तव्यों की चर्चा करते हुए कहा कि जब बालक छोटा होता है तब मां–बाप उसकी सेवा करते हैं और जब वह बड़ा हो जाता है तो उसका फर्ज होता है माता–पिता की सेवा करें। बेटा कितना ही बड़ा क्यों न हो जाये, राष्ट्रपति भी क्यों न बन जाये पर वह अपनी मां और पिता के सामने बेटा ही रहता है। इस अवसर पर गंगाशहर वृद्ध साध्वी सेवा केन्द्र में एक वर्ष तक सेवाएं देकर अन्य साध्वियों के साथ आचार्य महाप्रज्ञ के दर्शन करने पहुंची साध्वी मधुरेखा ने अपने विचार रखे। महिला मंडल की मंत्री संगीता देवी दुगड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया।

''सुखी परिवार समृद्ध राष्ट्र'' का विमोचन कल

राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ और पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के द्वारा संयुक्त रुप से लिखित द फैमिली एण्ड द नेशन का हिन्दी रुपांतरण सुखी परिवार समृद्ध राष्ट्र का विमोचन कल रविवार को धोलिया

क्रमश : 2

नोहरे के तेरापंथ भवन में आयोजित एक विशिष्ठ समारोह में होगा। उक्त जानकारी देते हुए प्रवास व्यवस्था समिति के मीडिया संयोजक तुलसीराम चौरड़िया ने बताया कि प्रभात प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस संस्करण का विमोचन स्वयं आचार्य महाप्रज्ञ अपने हाथों से प्रातः 9.30 बजे से आयोजित समारोह में करेंगे। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजी पुस्तक द फैमिली एण्ड द नेशन की हजारों प्रतियां पाठकों के हाथों में पहुंच चुकी है। पाठकों की मांग को देखते हुए जैन विश्व भारती के प्रयास से इसका हिन्दी संस्करण तैयार किया गया है। रविवार से प्रस्तुत सर्वत्र उपलब्ध रहेगी।

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक